



सतन आश्रम ट्रस्ट, धधकिया द्वारा संचालित

सतन आश्रम

रामगोपाल शर्मा

गुरुकुलम

आपके बच्चों का उज्ज्वल भविष्य

नए सत्र में नवम् एवं दशम वर्ग शुरू हो रहा है।

कक्षा - बाल वर्ग से अष्टम वर्ग तक

माध्यम - हिन्दी एवं अंग्रेजी

(सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम)

कम्प्यूटर

मध्याह्न भोजन

प्रयोगशाला

फिनलैंड एवं भारतीय संस्कृति के माध्यम से अनुभवी शिक्षक द्वारा पढ़ाई की व्यवस्था

सत्र 2020-21 के लिए नामांकन प्रारंभ है।



● स्थान : सतन आश्रम, रामगोपाल शर्मा, धधकिया ● सम्पर्क नं. - 8409399342, 7903712653 ● www.rgsgurukulam.com

संक्षिप्त समाचार

'कोई बहाना नहीं, तुरंत लागू करें वन नेशन-वन राशन कार्ड' : ममता

नई दिल्ली। 'वन नेशन-वन राशन कार्ड' को लेकर देश की सर्वोच्च अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार को सख्त निर्देश दिये हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य की ममता बनर्जी सरकार को आदेश देते हुए कहा है कि 'कोई बहाना नहीं, तुरंत लागू करें वन नेशन-वन राशन कार्ड' अदालत ने यह भी कहा है कि आप एक या अन्य समस्या का हवाला नहीं दे सकते हैं। यह प्रवासी मजदूरों के लिए है। इसके साथ ही सर्वोच्च अदालत ने लोकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों द्वारा उठाए गए समस्याओं पर अपने फैसले को सुरक्षित रखा है। दरअसल, लोकडाउन के दौरान असंगठित मजदूरों को रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में दिक्कत आई थी। रजिस्ट्रेशन होने के बाद ही मजदूर सरकारों द्वारा चलाई जा रही लाभकारी स्कीमों का फायदा उठा सकते थे। इसी मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला फिलहाल सुरक्षित रखा है। बता दें कि इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने 'वन नेशन-वन राशन कार्ड' योजना से राज्य को बाहर रखने की बात कही थी। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को इसे तुरंत लागू करने का निर्देश दिया है। 'एक राट-एक राशन कार्ड' योजना को लेकर केंद्र सरकार का तर्क रहा है कि इस योजना के तहत पूरे देश में पीडीएस धारकों को देश के किसी भी कोने में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों से उनके हिस्से का राशन मिल सकेगा।

सुविचार

में खरों को खुश रखने की कोशिश करता हूँ क्योंकि मुझे पता है कि अगर मैं खुश नहीं हूँ, तो मेरे सहयोगी खुश नहीं हैं और मेरे शेरधारक खुश नहीं हैं और मेरे ग्राहक खुश नहीं हैं।

● जैक मा

गुड मॉर्निंग

पत्नी- पति से: मैं मायके तभी जाऊंगी, जब आप मुझे छोड़ने चलोगे पति-पत्नी से: मंजूर है, पर वादा करो कि घर भी तुम तभी आओगी, जब मैं तुम्हें लेने आऊंगा

बिजनेस

सेंसेक्स

52,474.76+174.29 (0.33%)

निफ्टी

15,799.35+61.60 (0.39%)

दैनिक पंचांग

तिथि: शुक्ल प्रोष मास अमांत: ज्येष्ठ मास पूर्णिमांत: ज्येष्ठ वार: शनिवार संवत्: 2078 नक्षत्र: आर्द्रा - 16:57:30 तक योग: गण्ड - 09:11:26 तक करण: बालव - 07:28:45 तक

मौसम

अधिकतम - 44°
न्यूनतम - 30°
सूर्योदय: 05:22:35
सूर्यास्त: 19:19:09

मंत्रिमंडल विस्तार पर महामंथन

मोदी से मिलने पहुंचे अमित शाह और जेपी नड्डा, यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मीटिंग

नई दिल्ली/एजेंसी।

उत्तर प्रदेश को लेकर सियासी अटकलों और केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार की संभावना के बीच प्रधानमंत्री आवास पर पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच घंटों बैठक चली। पिछले दो दिनों में इन नेताओं के बीच कई ताबड़तोड़ बैठकें हो चुकी हैं। लेकिन कोई आधिकारिक बयान जारी न होने से तरह-तरह की अटकलबाजी हो रही है। कल पीएम मोदी ने योगी आदित्यनाथ के साथ भी एक घंटे से अधिक समय तक बातचीत की। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब केंद्रीय मंत्रिमंडल में विस्तार और फेरबदल की अटकलें हैं। वर्ष 2019 में लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मोदी ने अपने मंत्रिमंडल में कोई विस्तार नहीं किया है।

उत्तर प्रदेश में भी मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें हैं। इन अटकलों को इसलिए बल मिला क्योंकि मुख्यमंत्री योगी



आदित्यनाथ दो दिनों से राजधानी दिल्ली में थे और इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से लेकर शाह, नड्डा के अलावा राष्ट्रपति से भी मुलाकात कर लंबी चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि मोदी अलग-अलग समूहों में केंद्रीय मंत्रिपरिषद के अपने सहयोगियों से मुलाकात कर रहे हैं। इन मुलाकातों के दौरान नड्डा भी मौजूद थे। भाजपा के

पटेल और निषाद पार्टी के संजय कुमार निषाद और प्रवीण कुमार निषाद से मुलाकात के बाद आरंभ हुई है। मुलाकातों और चर्चा की इस कवायव के बारे में भाजपा की ओर से अभी तक आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। लेकिन माना जा रहा है कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश में चुनावी बिगुल बजा दिया है। पिछले दिनों नड्डा ने कोविड-19 की दूसरी लहर से पैदा हुई परिस्थितियों और हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा

चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन को लेकर पार्टी महासचिवों और विभिन्न मोर्चों के अध्यक्षों के साथ दो दिनों तक मंथन किया और इसके बाद सभी नेताओं के साथ प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी। अगले साल की शुरुआत में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब सहित पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इन चुनावों में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन को लेकर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व अपनी तैयारियों में जुट गया है।

कर्जदारों को 'सुप्रीम' राहत नहीं

नई दिल्ली/एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कोविड-19 की दूसरी लहर में आर्थिक तंगी और परेशानियों के मद्देनजर फिर से लोन मोरटोरियम (ऋण स्थगन राहत) व बैंकों द्वारा एनपीए की घोषणा पर अस्थायी रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इंकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह वित्तीय मामलों का विशेषज्ञ नहीं है। जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने कहा कि हम रवीकार करते हैं कि हम वित्तीय मामलों के विशेषज्ञ नहीं हैं। हम वित्तीय प्रभावों का अनुमान नहीं लगा सकते हैं। ये मुद्दे नीतिगत फैसलों के दायरे में हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि

यह सरकार का काम है कि वह स्थिति का आकलन कर उचित निर्णय ले। दरअसल, वकील विशाल तिवारी ने कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर और लोकडाउन के दौरान कर्जदारों को कुछ राहत देने की मांग की थी। उन्होंने दावा किया कि महामारी की दूसरी लहर ने कम से कम एक करोड़ लोगों को बेरोजगार कर दिया है। हालांकि पीठ ने कहा कि आरबीआई द्वारा जारी किए गए कुछ सुकुलर के अनुसार वह कुछ वित्तीय पैकेजों की घोषणा पहले ही कर चुका है। जवाब में याचिकाकर्ता वकील ने कहा कि यह मध्यम वर्गीय परिवारों की समस्याओं का समाधान करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इस पर पीठ ने कहा कि हम वित्तीय मामलों पर फैसला नहीं कर सकते।

केजरीवाल की हर घर अन्न योजना भी एक जुमला

● रविशंकर प्रसाद बोले- राशन माफिया के नियंत्रण में है दिल्ली सरकार नई दिल्ली/एजेंसी।

दिल्ली में घर-घर राशन पर जारी संग्राम अभी धमता नजर नहीं आ रहा है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार के आरोपों के जवाब में पलटवार करते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल हर घर अन्न की बात कर रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि कोरोना काल में वह न तो अस्पतालों में ऑक्सीजन पहुंचा सके और ना मोहल्ला क्लीनिकों में दवा पहुंचा सके। हर घर राशन भी एक जुमला है। दिल्ली सरकार राशन माफिया के नियंत्रण में है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि भारत सरकार देशभर में 2 रुपए प्रति किलो गेहूं,



3 रुपए प्रति किलो चावल देती है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पिछले साल की तरह इस बार भी नवंबर तक गरीबों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। चावल का खर्च 37 रुपए प्रति किलो होता है और गेहूं का 27 रुपए प्रति किलो होता है। भारत सरकार सब्सिडी देकर प्रदेशों को राशन की दुकानों के माध्यम से जरूरतमंद गरीबों में अनाज बांटने के लिए देती है। भारत सरकार

ममता की छांव में मुकुल



कोलकाता/एजेंसी।

करीब 4 साल तक भारतीय जनता पार्टी में रहने के बाद मुकुल रॉय ने एक बार फिर पुराने दल तृणमूल कांग्रेस में वापसी कर ली है। मुकुल रॉय के पाला बदलने पर पश्चिम बंगाल में पार्टी के उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह ने उन्हें भेदिया बताया हुआ कहा है कि वह भाजपा की आंतरिक सूचनाएं टीएमसी तक पहुंचाते थे और इस वजह से पार्टी की हार हुई। उन्होंने यह भी कहा कि वह पहली बार चुनाव जीते वह भी भाजपा के सिंबल पर, अच्छा होता कि जाने से पहले वह विधायकी से इस्तीफा दे देते। अर्जुन सिंह ने कहा, "राजनीति में जो सुविधावादी व्यक्ति होते हैं, वह इसी तरह का काम करते हैं। जब अभिषेक बनर्जी का तृणमूल में उदय हुआ तो अभिषेक के साथ उनकी बड़ी अनबन थी। अभिषेक बनर्जी ने धक्का देकर

इनको घर से बाहर निकाला था, तो ये भाजपा में आ गए। भाजपा में आने के बाद एक बार फिर ये चाऊमीन खाने चले गए। इस बीच रॉय ने कहा है कि बंगाल में जो हालात हैं भाजपा में कोई नहीं रह सकता। टीएमसी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुराने सहयोगी का स्वागत करते हुए उन्हें अच्छा लड़का बताया और कहा कि उन्होंने टीएमसी के साथ गद्दारी नहीं की। राजीव बनर्जी सहित टीएमसी के और बागियों के बीजेपी से वापसी के सवाल को ममता बनर्जी ने फिलहाल टाल दिया और कहा कि आने वाले समय में इस बारे में कुछ कह पाएंगी। उधर, मुकुल रॉय ने कहा कि बंगाल में जो स्थिति है, उसमें कोई बीजेपी में रहना नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी के साथ कोई मतभेद नहीं था और वह देश की नेता हैं।

मुकुल को राज्यसभा भेज सकती है तृणमूल !

कोलकाता। तृणमूल में घर वापसी कर चुके मुकुल रॉय को पार्टी राज्यसभा भेज सकती है। जानकारी के अनुसार अगले दो दिनों में मुकुल विधायक पद से इस्तीफा देंगे। मुकुल भाजपा की टिकट पर कृष्णनगर दक्षिण से विधानसभा चुनाव जीते थे। अब उनकी दूसरी पारी तृणमूल में शुरू हो चुकी है तो पार्टी उन्हें दोबारा राज्यसभा के टिकट पर संसद भेजने की तैयारी में है। हालांकि इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया गया है। ममता बनर्जी ने कहा है कि जल्द स्थितियों को देखते हुए मुकुल को जिम्मेदारी दी जाएगी।

कोवैक्सीन को अमेरिका ने दिया झटका

कोवैक्सीन को इंटरनेशनल अप्रूअल में देरी

दिल्ली/एजेंसी।

भारत बायोटेक की कोरोना वैक्सीन 'कोवैक्सीन' को अमेरिका में झटका लगा है। अमेरिकी दवा नियामक यूएसएफडीए ने इमर्जेंसी इस्तेमाल के लिए ओवैक्सीन के आवेदन को खारिज कर दिया है। ओवैक्सीन भारत बायोटेक की अमेरिकी पार्टनर फर्म है। कोवैक्सीन को अप्रूवल न मिलने पर भारत सरकार ने सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। उसने कहा है कि भारत हर एक देश के रेगुलेटरी सिस्टम का सम्मान करता है। इस कदम से उसके वैक्सीन प्रोग्राम पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यूएसएफडीए ने ओवैक्सीन इंक को सलाह दी है कि वह भारतीय वैक्सीन के इस्तेमाल की मंजूरी हासिल करने के लिए अतिरिक्त आंकड़ों के साथ जैविक लाइसेंस आवेदन (बीएलए) मार्ग से अनुरोध करे। ओवैक्सीन ने गुरुवार को एक बयान में कहा था कि वह एफडीए की सलाह के अनुसार कोवैक्सीन के लिए बीएलए दाखिल करेगी।



● क्या है बीएलए?

बीएलए एफडीए की 'पूर्ण अनुमोदन' व्यवस्था है। इसके तहत दवाओं और टीकों की मंजूरी दी जाती है। ऐसे में कोवैक्सीन को अमेरिकी मंजूरी मिलने में थोड़ा और वक्त लग सकता है। ओवैक्सीन ने कहा, 'कंपनी अब कोवैक्सीन के लिए आपातकालीन उपयोग की अनुमति (इंड्यूए) पाने की कोशिश नहीं करेगी। एफडीए ने मास्टर्ड फाइल के बारे में ओवैक्सीन को प्रतिक्रिया दी है। यह सलाह दी गई है कि ओवैक्सीन को अपनी वैक्सीन के लिए इंड्यूए आवेदन के बजाय बीएलए अनुरोध दाखिल करना चाहिए। इसके साथ ही कुछ अतिरिक्त जानकारी और डेटा के लिए अनुरोध भी किया गया है।'

● कंपनी कर रही है चर्चा

ओवैक्सीन ने कहा कि इसके चलते अमेरिका में कोवैक्सीन की पेशकश में देरी हो सकती है। बीएलए अनुरोध के लिए जरूरी अतिरिक्त जानकारी को समझने के लिए ओवैक्सीन एफडीए के साथ चर्चा कर रही है। कंपनी का अनुमान है कि आवेदन की स्वीकृति के लिए एक अतिरिक्त क्लीनिकल परीक्षण के आंकड़ों की जरूरत होगी। ओवैक्सीन के सीईओ और सह-संस्थापक शंकर मुसुनुरी ने कहा, 'हालांकि, हम अपने इंड्यूए आवेदन को अंतिम रूप देने के बहद करीब थे, लेकिन एफडीए ने हमें बीएलए के जरिये अनुरोध करने की सलाह दी है। इससे ज्यादा वक्त लगेगा, लेकिन हम कोवैक्सीन को अमेरिका में लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

Unique ID: JH/2021/02/76302

SAICARE FOUNDATION

Helping • Healing • Caring

We Always Believe To Help You In Any Way

Registered Add: Raj Bhawan, Office No: 02, Station Road, Lohara, Jharkhand - 820207

Corporate Add: Rajdhani Green Garden Parking, Malanda Colony, Kharipur, Bailey Road, Patna - 800014

+91-9975800608, +91-9825310450, +91-997357177 & +31-826703632

Web: www.saicarefoundation.com Email: saicareworld@gmail.com

आवश्यकता

झारखण्ड की उपराजधानी दुमका से संचालित 'झारखण्ड देखो' डिजिटल ईपेपर के लिए झारखण्ड के सभी जिलों से संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

संपर्क करें - 9955599136

संक्षिप्त समाचार

15 जुलाई तक चलेगा नामांकन

दुमका । (झारखण्ड देखो / प्रतिनिधि)। इन् में जुलाई सत्र 2021 के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में फ्रेश नामांकन संबंधी सूचना जारी कर दी गई है। इन् अध्ययन केन्द्र एस पी कालेज दुमका (3604) के समन्वयक डा के पी यादव ने प्रेसविज्ञापित जारी कर बताया कि जुलाई सत्र 21के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में फ्रेश नामांकन जारी है जो 15 जुलाई 2021 तक चलेगा। नामांकन के इच्छुक आवेदक ऑनलाइन नामांकन एडमिशन पोर्टल पर जाकर इस लिंक पर नामांकन ले सकते हैं।

स्त्रीय पाठ्यसामग्री के साथ इन्में नामांकन की सुविधा है।

राजद ने सामाजिक न्याय दिवस के रूप में मनाया लालू यादव का 74वां जन्मदिन



दुमका । (झारखण्ड देखो / प्रतिनिधि)। सामाजिक न्याय के नायक, गरीबों, पिछड़ों, दलितों, वंचितों, किसानों, मजदूरों और अल्पसंख्यकों के एकमात्र नेता राजद सुप्रियो लालू प्रसाद यादव का 74वां जन्मदिन राष्ट्रीय जनता दल जिला कार्यालय खुटा बांध दुमका में जिलाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार यादव के नेतृत्व में कोविड-19 के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए केक काटकर धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रमों में केक खिलाकर एक-दूसरे को बधाइयां दी और पूर्व रेल मंत्री एवं अखंड बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के दीर्घायु जीवन एवं स्वास्थ्य की कुशलता के लिए भगवान से कामना किया। तत्पश्चात शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर जाकर सैकड़ों गरीब, निर्धन एवं जरूरतमंदों के बीच भोजन और मिठाई का वितरण किया। जिलाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार यादव ने कहा कि सामाजिक परिवर्तन और सद्भाव के महान योद्धा लालू एक ऐसा सूरज हैं जिनकी राजनीतिक इकबाल कभी अस्त नहीं हो सकती है। वंचितों की आवाज बन कर उन्होंने सामाजिक न्याय का जो झंडा बुलंद किया है वह हमेशा यादगार रहेगा। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव जीवेश कुमार दास, प्रमोद पंडित, राम सुंर पंडित, सुशील राय, मनोज कुमार, जयदेव गोरगई, जुलकर अंसारी शेष कुमार, वीरेंद्र यादव, कुमोद यादव, संतोष मंडल सहित कई लोग उपस्थित थे।

सहायक उद्योग निदेशक(रेशम) ने अग्र परियोजना केंद्र का किया निरीक्षण



दुमका । (झारखण्ड देखो / प्रतिनिधि)। अग्र परियोजना केंद्र काटीकुंड तथा गोपीकांडर का सहायक उद्योग निदेशक (रेशम) सुधीर कुमार सिंह ने निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि तसर बीज उत्पादन का कार्य प्रारंभ हो रहा है। जिसे ध्यान में रखते हुए तसर कोकून प्यूपा का जाँच करना आवश्यक है ताकि रोग मुक्त बीज किसानों उपलब्ध हो सके। इससे पूर्व उन्होंने तसर कोटपालन के पौधे वाले क्षेत्र का निरीक्षण भी किया एवं उचित रख रखाव का निदेश दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से कहा कि पौधे का बेहतर ढंग से रख रखाव करें ताकि कोटपालन के दौरान किसी प्रकार का रोग तसरकोट में नहीं हो एवं उत्पादन किसी सूत्र में प्रभावित नहीं हो।

जाना है भाई जाना है सभी को टीका केंद्र जाना है

दुमका । (झारखण्ड देखो / प्रतिनिधि)। कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के लिए एक तरफ जहाँ कई स्वयंसेवी संस्थाएँ और सामाजिक लोग सरकार के साथ कदम से कदम मिला कर काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ झारखंड सरकार और जिला प्रशासन को कोरोना के खिलाफ इस जंग में सभी मंडल की महिलाओं का भी साथ मिला है। कोरोना के विरुद्ध जंग में महिलाएँ भी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रही हैं। इसका और सैनितानिक की कमी को पूरा करने के साथ साथ लोगों को जागरूक करते हुए टीका दिवसों की कार्य में भी सभी मंडल की महिलाएँ अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं। इसी क्रम में रानेश्वर प्रखंड के असनबानी एवं मुगाबानी गावों में सभी मंडल की महिलाओं के द्वारा टीकाकरण जागरूकता रैली निकाली गई। जाना है भाई जाना है सभी को टीका केंद्र जाना है, अगर चाहते हो जीना तो सबसे पहले टीका लाना, जागो भैया जागो बहना सबसे पहले टीका लाना जैसे नारों के साथ महिलाओं ने आसनबनी पंचायत भवन से मेन रोड होते हुए बजरंग बली मंदिर एवं चाणुडिया रोड, कुम्हारपाड़ा, केवटपाड़ा तक लोगों को जागरूक करने का कार्य किया।

दो किशोर को मेजा सुधार गृह, इधर एक और बाइक चोरी

दुमका । (झारखण्ड देखो / प्रतिनिधि)। नगर थाना की पुलिस ने गुरुवार को चोरी की हुई बाइक के साथ हिरासत में लिए दो किशोरों को शुक्रवार को बाल सुधार गृह भेज दिया। पुलिस अभी चैन की सांस ले भी नहीं सकी थी कि शुक्रवार को ही चोरों ने थाना से महज 50 मीटर दूर खड़ी एक बाइक पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस वाहन का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस संबंध में नगर थाना में शुक्रवार की शाम जानकारी देते हुए एसडीपीओ नूर मुस्तफा अंसारी ने बताया कि जेल गया एक किशोर मोरटंगा और दूसरा शिव मंदिर के समीप का रहने वाला है। बुधवार को डंगालपाड़ा का टीपु सुल्तान मछली मारने के लिए बाइक से खुटाबांध गया था। इस बीच मौका पाकर किशोरों ने उसकी बाइक पर हाथ साफ कर दिया। दोपहर में नगर थाना के सहायक अवर निरीक्षक मुशताक अली भ्रमण करते हुए खुटाबांध की ओर जा रहे थे, तभी उनकी नजर बाइक स्टार्ट करने का प्रयास कर रहे दो किशोरों पर पड़ी। शक होने पर बच्चों से पूछताछ की तो पता चला कि बाइक चोरी की है। इस संबंध में मामला दर्ज कर दोनों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है इधर, बाइक चोरों ने शुक्रवार को थाने से कुछ दूर आरएस फर्नीचर के घर में किराए पर रहने वाले प्रमोद पंजियारा की बाइक उड़ा ली। भुक्तभोगी बजाज इंशोरेंस कंपनी में कार्यरत है। चोर आराम से कॉरीडोर में घुसा और आराम से बाइक लेकर चलता बना। सारी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो गई है। पुलिस बाइक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

टीका के साथ, कोरोना को मात-राजेश्वरी बी

(झारखण्ड देखो / प्रतिनिधि)

दुमका । उपायुक्त राजेश्वरी बी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा कि व्यापक प्रचार प्रसार कर वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीन दिया जा सके। 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए सप्ताहांत में चलाये जा विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है इस दौरान भी अधिक से अधिक लोग वैक्सीन ले डेते सुनिश्चित किया जाए। पंचायत वाइज लक्ष्य तैयार कर लोगों को टीका देने का कार्य करें। कहा कि जिले में पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध है। 118 वर्ष से अधिक उम्र के लोग टीकाकरण केंद्र पहुंचकर टीका ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रखंड स्तर पर जो भी लक्ष्य दिए गए हैं। उसे ध्यान में रखते हुए कार्य करें। पंचायत के मुखिया से समन्वय बनाकर पंचायत के लोगों को शत प्रतिशत वैक्सीन देने का कार्य किया जाए। जल्द से जल्द सभी लोगों को वैक्सीन लगे इसे ध्यान में रखते हुए कार्य योजना तैयार करें। टोला स्तर तक पहुंचकर लोगों को वैक्सीन दी जाय। ताकि उन्हें टीका लेने के



लिए दूर नहीं जाना पड़े। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि पंचायत स्तर तक पहुंच कर लोगों को जागरूक करने का कार्य करें। ताकि कम समय में अधिक से अधिक लोगों को टीका दिया जा सके। उन्होंने कहा कि पूरे जिले में अभियान चलाकर उसकी माहौल में 1 दिन में 15 से 20 हजार लोगों को वैक्सीन दिया जाएगा। इसके लिए उन्होंने सभी प्रखंडों को लक्ष्य भी देते हुए कहा कि जहाँ आबादी अधिक हो वैसे 20 जगहों को चिन्हित करते हुए कैंप का आयोजन करें। अभियान को सफल बनाने के लिए टीम की संख्या भी बढ़ाएं। कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में वैसे प्रखंड जहाँ संक्रमितों की संख्या में

वृद्धि हुई थी वैसे प्रखंड विशेष ध्यान देते हुए अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीन देने का कार्य करें उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी से कहा कि वैक्सीन के स्टॉक को हमेशा अपडेट रखें। वैसे लोग जिन्होंने अभी तक वैक्सीन की दूसरी डोज नहीं ली है उन्हें ससमय दूसरी डोज देने का कार्य करें वैक्सीन के दूसरे डोज की पेंडेंसी नहीं बड़े इसे सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि टीका के दूसरे रोज के लिए सभी प्रखंड अलग टीम बनाकर टीकाकरण का कार्य करें। कहा कि सभी के मेहनत से आज स्थिति नियंत्रण में है लेकिन अभी भी सतर्क और सावधान रहने की जरूरत है। सभी को वैक्सीन

देकर ही हम कोरोना के खिलाफ इस जंग को जीत सकते हैं। कम समय में अधिक लोगों को वैक्सीन लगे इस दिशा में कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने निर्देश दिया कि लॉकडाउन के निर्देशों का सख्ती से अनुपालन किया जाए। वैसे लोग जो लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करते हैं उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा देखा जा रहा है कि छोटी-छोटी वाहनों में क्षमता से अधिक लोग बैठकर घूम रहे हैं। ऐसे लोगों को चिन्हित करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इस दौरान उन्होंने सैपल कलेक्शन तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्रखंड विकास पदाधिकारी से प्राप्त कीं।

महिला कृषक समेत 31 को मिला धान बीज



(झारखण्ड देखो / प्रतिनिधि)

दुमका । जामा प्रखंड अंतर्गत आसनगोर लैंपस गोदाम बारापलासी में शुक्रवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक सुशीला टुडू च बोसीओ हरेकृष्ण देव ने केंद्र का शुभारंभ कर महिला कृषक समेत 31 लोगों के बीच बीज का वितरण किया। बीडीओ ने कहा कि 50 फीसद अनुदान पर धान का बीज वितरित किया जा रहा है। किसानों को इसका लाभ उठाना चाहिए। बीटीएम ने किसानों को धान के बीज को उपचार करके बोआई करने का तरीका बताते हुए श्रीविधि और परंपरागत तरीके का अंतर बताया। कहा कि श्रीविधि से खेती करें, तभी कम लागत में ज्यादा उत्पादन होगा। सहायक तकनीकी प्रबंधक नीरज ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा इस वर्ष महिला सशक्तीकरण पर जोर देकर कृषि कार्य में बढ़ चढ़ भाग लेने के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस दौरान 31 किसानों के बीच आठ किटल बीज का वितरण किया गया। मौके पर लैंपस प्रबंधक विनोद राउत, रिंकु देवी, सुनीता देवी, मिक्की देवी, वजमिया देवी, पुष्पा देवी, मंजू देवी, भूतनी देवी, ललकी देवी, मुन्नी देवी, हरीचरण मरिच व सीताराम साहा आदि लाभुक उपस्थित थे।

अवैध कारोबार का जायजा लेने शिकारीपाड़ा पहुंचे डीआइजी

(झारखण्ड देखो / प्रतिनिधि)

दुमका । संताल परगना प्रखेत्र के डीआइजी सुदर्शन मंडल ने शुक्रवार को शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने इस इलाके

में हो रहे अवैध परिवहन और चल रही आर्थिक गतिविधियों की जानकारी ली। हालांकि बारिश की वजह से वे उन इलाकों का भ्रमण नहीं कर सके, जहाँ अवैध आर्थिक गतिविधियां और परिवहन का कारोबार संगठित तरीके से हो

रहा है। बाद में शिकारीपाड़ा थाना में बातचीत के क्रम में कहा कि इस इलाके में अवैध परिवहन अवैध आर्थिक गतिविधियां चल रही हैं, इससे इन्कार नहीं किया जा सकता है। कहा कि अवैध खनन की जांच सीधे तौर पर

खनन एवं राजस्व विभाग को ही करनी है। जांच में गड़बड़ी पाए जाने पर मामला भी उन्हें ही दर्ज कराना है। मूल रूप से यह काम जिले में गठित टास्क फोर्स का है। मौके पर एसपी अभियान और एसडीपीओ भी मौजूद थे।



पेट्रोलियम पदार्थों के कीमतों में की गई मूल्य वृद्धि के खिलाफ कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन



(झारखण्ड देखो / प्रतिनिधि)

दुमका । पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्य वृद्धि के खिलाफ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेशानुसार दुमका जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा दुमका नगर के मेरी पेट्रोल पंप पर सांकेतिक प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के विरुद्ध पेट्रोलियम पदार्थों के कीमतों में की गई मूल्य वृद्धि के मूल्य में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है. 80-90 रु प्रति किलोग्राम मिलने वाली नियमित उपयोग वाली सरसी तेल अब दो सौ रुपये से भी अधिक कीमत पर बिक रही है। मंहगाई के कारण गरीब और मजदूर त्राहिमाम हैं। मंहगाई पर अंकुश लगाने लगाने के वादे के साथ सलता में आई मोदी सरकार ने गरीबों के

जनादेश का मजाक उड़ाया है एवं अमीरों की झोली भरने का काम किया है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रोफेसर मनोज अंब्वट, महेश राम चंद्रवंशी, अरबो खालून, संजीत सिंह, अरविंद कुमार, छवि बागची, अलीमाम टिकु, विलियम टुडू, महबुब आलम, अनुज मंडल, युगल किशोर सिंह गणेश, दशरथ मंडल, गरीमा उर्वशी, शाहरुख शेख मौसम, गोपी जीवन पाल, ममता देवी, मिट्टु यादव, अमन गुप्ता, अमरजीत कुमार, मोहम्मद अफजल संयुक्त अनेकों कांग्रेसन शामिल थे इसके अतिरिक्त दुमका जिले के सभी प्रखंडों में प्रखंड कांग्रेस कमेटी के द्वारा पेट्रोल पंप ओपन पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्य वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन किया गया।

बीडीओ सरैयाहाट ने क्षेत्र भ्रमण कर मजदूरों से टीका लेने की अपील की



(झारखण्ड देखो / प्रतिनिधि)

दुमका । उपायुक्त राजेश्वरी बी के निदेश पर जिले के सभी प्रखंडों में मिशन मोड में टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। हर एक योग्य लाभुक को ससमय टीका लगे इसे ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारी भी डोर टू डोर पहुंचकर लोगों से टीका के महत्व को बताते हुए टीका लेने की अपील कर रहे हैं। इसी क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी सरैयाहाट दयानंद जायसवाल ने प्रखंड के ककगी पंचायत के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने

कहा-सभी टीका ले रहे हैं, आप भी डरिये मत, जाकर टीका लीजिये

सकता है। टीका नहीं लेने की आपकी छोटी सी लापरवाही एक बड़ी समस्या उत्पन्न कर सकती है। टीका नहीं लेकर आप सिर्फ अपने आप को नहीं अपने परिवार के सदस्य एवं अपने आसपास के लोगों को भी खतरने में डाल रहे हैं। इसके उपरांत उन्हीने टीकाकरण केंद्र का भी निरीक्षण किया। टीका ले रही महिलाओं से बातचीत की एवं कहा कि अपने आसपास के लोगों को भी टीका के बारे में बताएं उन्हें जागरूक करने का कार्य करें ताकि वे भी आकर टीका लें। आपका एक छोटा सा प्रयास कोरोना के विरुद्ध जंग में राज्य सरकार और जिला प्रशासन के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

पुलिस ने 24 घंटे में बच्चों को खोज निकाला

(झारखण्ड देखो / प्रतिनिधि)

दुमका । बांधपाड़ा सोनुवाडगाल के सुखेन भंडारी नगर थान दुमका ने रात में अपने पड़ोसी कटकी देवी के साथ थाना आकर सूचित किया कि संध्या शाम से करीब पांच सवा पांच बजे उनका पुत्र ओम कुमार 15 वर्ष तथा कटकी देवी का पुत्र मनु दास उम्र 14 वर्ष घर से गायब है. इस संबंध में तत्काल दुमका नगर थाना कांड संख्या 148/21 दिनांक 10/6/21 धारा 363(ए) दर्ज करते हुए अनुसंधान शुरू किया गया. जिसमें आर.पी. एफ की मदद से दोनो बच्चों को दुमका रांची इंटरसिटी में होने का पता चला. जीआरपी धनबाद



के मदद से दोनो बच्चों को ट्रेन से उतार कर पुलिस संरक्षण में रखा गया। जिन्हें दुमका नगर

थाना पुलिस द्वारा शुक्रवार को थाना लाया गया। एसडीपीओ नूर मुस्तफा एवं नगर थाना प्रभारी ने

जानकारी देते हुए बताया कि कल कोर्ट में पेशी के बाद उनके माता पिता को सुपुर्द कर दिया जाएगा।

PRAMOD GARMENTS
MEANS WEAR
Jeans, Pants, Full Shirt, Cotton Trousers, T-Shirt
All types of Cloth & Readymade Garments.
Baxi Bandh Road, Near Popular Club, Dumka (Jh.) 814101
Contact : 9534116246 / 6207884652

जे०एस० पॉलिक्लिनिक
आपके शहर दुमका में आई.टी.आई.के नजदीक रिंग रोड में जे.एस. पॉलिक्लिनिक खुल गया है।
होम्योपैथिक डॉ. सुप्रसिद्ध डॉक्टर आपके शहर में आपके पूरे शरीर को निरोध करने आगे रहे हैं।
मुख्य विशेषताएं:-
• सभी उम्र के स्त्री - पुरुष और बच्चे को इलाज होता है।
• कैंसर बीमारियों का भी इलाज क्रमबद्ध तरीके से होता है।
• कोई भी रोग जैसे - दाद, खाज सुजली का जब से इलाज।
• कोई भी अरसाय या कैंसर के शुरूआत लक्षण से पुष्टीकरण और रोग मुक्त करना।
मो 9934080070
आँ से मिलने का समय :- प्रतिदिन रविवार सहित सुबह 10 बजे से शाम 8 बजे तक

गर्मी के मौसम में बाहरी तापमान के साथ-साथ शरीर के अंदर का तापमान भी अधिक होता है। ऐसे में शरीर को पानी एवं द्रव्य पदार्थों की आवश्यकता भी ज्यादा होती है, ताकि तापमान में संतुलन बना रहे। लेकिन जब बार-बार पानी पीने के बाद भी न बुझे प्यास, तो एक बार इन घरेलू उपायों को जरूर आजमाएं।

बार-बार पानी पीने से भी न बुझे प्यास, तो आजमाएं 10 घरेलू नुस्खे

- » पानी में शहद मिलाकर कुल्ला करने या लौंग को मुंह में रखकर चूसने से बार-बार लगने वाली प्यास शांत होती है।
- » बार-बार प्यास लगने की इस समस्या को जायफल से भी दूर किया जा सकता है इसके लिए बस जायफल का एक टुकड़ा मुंह में रखकर चूसते रहें। आपको प्यास नहीं लगेगी।
- » गाय के दूध से बना दही 125 ग्राम, शकर 60 ग्राम, घी 5 ग्राम, शहद 3 ग्राम व काली मिर्च-इलायची चूर्ण 5-5 ग्राम लें। दही को अच्छी तरह मलकर उसमें अन्य पदार्थों को मिलाएं और किसी स्टील या कलाई वाले बर्तन में रख दें। उसमें से थोड़ा-थोड़ा दही सेवन करने से बार-बार लगने वाली प्यास शांत होती है।
- » जौ के भुने सतू को पानी में घोलकर, उसमें थोड़ा सा घी मिलाकर पतला-पतला पीने से भी प्यास शांत होती है।
- » चावल के मांड में शहद मिलाकर पीने से भी तृष्णा रोग यानि बार-बार प्यास लगना या प्यास न बुझने की समस्या में आराम मिलता है।
- » पीपल की छाल को जलाकर पानी में डाल दें और जब यह राख नीचे बैठ जाए, तो उस पानी को छानकर पीएं। ऐसा करने से प्यास शांत होगी। इसके अलावा पीपल का चूर्ण बनाकर फक्की लगाकर पानी पीने से भी प्यास लगना बंद होगी।
- » पान खाना भी प्यास से मुक्ति पाने का बेहद आसान और कारगर उपाय है। पान खाने से प्यास कम लगती है और मुंह और गला भी नहीं सूखता।
- » दही में गुड़ मिलाकर खाना भी प्यास बुझाने का एक कारगर घरेलू उपाय है। इससे खाना खाने के बाद लगने वाली तेज प्यास को कम किया जा सकता है।
- » अनानास का ऊपरी छिलका और भीतरी कटोर भाग निकाल कर उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर, इन टुकड़ों को पानी में पकाकर नरम बनाएं और फिर चीनी की चाशनी बनकर उसमें डाल दें। इस मुरब्बे जैसे जूस का सेवन करने से प्यास बुझती है तथा शरीर की जलन शांत होती है, इससे हृदय को बल मिलता है।
- » इन सब के अलावा तरबूज तो है ही एक बेहतरीन और स्वादिष्ट विकल्प, जिससे प्यास तो बुझती ही है भूख भी मित जाती है और पेट देर तक भरा-भरा रहेगा।



सावधान ! कोरोना के बाद नई मुसीबत ने दी दस्तक, तेजी से बढ़ रहा 'बहरे होने' का खतरा

क्या आपको भी अचानक कम सुनाई देने लगा है? क्या आपके कानों में सीटी बज रही है? अगर आप हाल ही में कोरोना से रिकवर हुए हैं, तो आपको यह ध्यान से पढ़नी चाहिए। कोरोना वायरस से रिकवर होने वाले बहुत से मरीजों में सुनाई देने की शक्ति कमजोर हो रही है और कुछ लोगों में तो यह बीमारी ला-इलाज हो चुकी है। यानी आपको पहले की तरह नहीं सुन पाएंगे। दिल्ली के एक ही सरकारी अस्पताल के इफनटी विभाग में ऐसे 15 मरीज अब तक आ चुके हैं।



● कोरोना से हो रहा बेहरापन

दिल्ली के रहने वाले डॉक्टर सोरभ नारायण पिछले साल कोरोना वायरस की चपेट में आए थे। इसी के चलते उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल के आईसीयू में 21 दिन बिताने पड़े, जिसके बाद वे रिकवर हो गए। हालांकि उसके बाद से अब उन्हें पहले की तरह सुनाई नहीं देता। लेकिन यह बात उन्हें इतनी देर से समझ में आई कि अब हियरिंग एड के बिना इनका इलाज नहीं हो सकता यानी यह कभी पहले की तरह ठीक तरीके से नहीं सुन पाएंगे।

● दिल्ली में 2 महीने में मिले 15 मरीज

आंकड़ों पर नजर डालें तो राजधानी दिल्ली के सरकारी अस्पताल अंबेडकर अस्पताल में पिछले 2 महीने में ऐसे 15 मरीज आ चुके हैं जिनके कान में या तो दर्द है या फिर उन्हें सुनाई

देना बहुत कम हो चुका है। यह सभी मरीज कोरोना वायरस की बीमारी से रिकवर हुए मरीज हैं। ज्यादातर मामलों में मरीज इतनी देरी से डॉक्टर तक पहुंच रहे हैं कि उनकी सुनाई देने की शक्ति को वापस लौटाने का, यानी समय पर इलाज का वक्त जा चुका है।

● ऐसा होने पर 72 घंटे में इलाज जरूरी

अंबेडकर अस्पताल में इफनटी विशेषज्ञ डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि, अगर आपके कान में भी दर्द होता है, कान में भारीपन महसूस होता है, सीटी बजती है या आपको लगता है कि आपको कम सुनाई दे रहा है तो 72 घंटे के अंदर डॉक्टर से मिलना बेहद जरूरी है। शुरुआत में इस हियरिंग लॉस को दवाओं से रोका जा सकता है। लेकिन अगर ज्यादा वक्त बीत जाता है तो फिर रिकवरी मुमकिन नहीं है।

पसीना त्वचा के लिए अच्छा है



गर्मी के मौसम में पसीना। गर्मी से अधिकतर लोग परेशान रहते हैं लेकिन एक हेल्दी त्वचा के लिए पसीना आना जरूरी होता है। कई लोग मानते हैं कि पसीना आपकी त्वचा को तैलीय बनाता है और सभी छिद्रों को अवरुद्ध करता है, लेकिन यह सच नहीं है। वास्तव में यदि आप पसीना नहीं बहाते हैं तो इसका मतलब है कि आपके छिद्र पहले से ही भरे हुए हैं और आपकी त्वचा मुंहासे-ब्रेकआउट के लिए लगभग तैयार है जब आपको गर्मी लगती है और पसीना आता है तो आपको प्यास भी लगती है जिससे आप ज्यादा पानी पीते हैं। इससे आपकी त्वचा को कई तरह के फायदे पहुंचते हैं।

टॉक्सिन निकालने में मदद करता है। पसीना आपके शरीर के सभी हानिकारक विषाक्त पदार्थों को

बाहर निकालने में मदद करता है। ये टॉक्सिन जब पसीने के रूप में नहीं निकलते हैं, तो त्वचा को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं जिसके परिणामस्वरूप मुंहासे व दाने होते हैं। जब आपको पसीना आता है तो आपके शरीर से सेहीचिनज चहग हचोचिन जचना निकलता है, जो एक प्राकृतिक एक्सफोलिएट की तरह काम करता है। यह रोम छिद्रों को साफ करता है और त्वचा में जमी गंदगी और अशुद्धियों को साफ करता है, साथ ही रूखी त्वचा और एलर्जी की समस्या को भी कम करता है।

चेहरे पर जमी गंदगी और अशुद्धियों को दूर करता है। पसीना हमारे शरीर से सभी गंदगी और बची हुई मृत त्वचा कोशिकाओं को बाहर निकालने में मदद करता है, साफ करता है।

बालों को दोबारा उगाने में मददगार है सिर की मसाज

बालों के झड़ने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से कुछ को कंट्रोल किया जा सकता है और कुछ को नहीं। आमतौर पर अगर आपके बाल पोषण की कमी से झड़ते हैं, तो स्कैल्प मसाज करने से दोबारा बाल उग सकते हैं। लेकिन अगर आप मेल पैटर्न बाल्डनेस का शिकार हैं या अनुवांशिक कारणों से आपके बाल झड़ते हैं, तो इन्हें दोबारा पाना मुश्किल होता है। हालांकि बाल किसी भी कारण से झड़ रहे हों, अगर आप इनकी सही देखभाल करें, अच्छे तेल से रेगुलर मसाज करें, तो इनका झड़ना कम हो सकता है।

● क्या होता है जब आप सिर की मसाज करते हैं?

- » सिर के हिस्से में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, जिससे हेयर फॉलिकल्स को जरूरी पोषक तत्व और ऑक्सीजन मिल जाते हैं।
- » सिर की मसाज करने से आपका तनाव कम होता है क्योंकि मस्तिष्क के हिस्से में ऑक्सीजन की सप्लाई बढ़ जाती है।
- » रेगुलर मसाज करने से आपके बालों को बांधकर रखने वाले हेयर फॉलिकल्स मजबूत होते हैं और बाल कम झड़ते हैं।
- » मसाज करने से आपके सिर की त्वचा की क्लॉजिंग सुधरती है।

